01

TIMES OF INDIA 07.06.2022
BHOPAL

https://timesofindia.indiatimes.com/city/bhopal/metro-work-in-fast-lane-orders-cleared-for-24-trains-signals/articleshow/92049437.cms

EDITION IN

THE TIMES OF INDIA

City Bhopal Mumbai Delhi Bengaluru Hyderabad Kolkata Chennai Agra Agartala Ahmedabad Ajmer Allahal

CIVIC ISSUES CRIME POLITICS SCHOOL AND COLLEGES MP ELECTIONS PHOTOS WEATHER POLLUTION NEWS EVENTS

NEWS / CITY NEWS / BHOPAL NEWS / Bhopal Metro Work In Fast Lane, Orders Cleared For 24 Trains & Sig...

Bhopal Metro work in fast lane, orders cleared for 24 trains & signals

TNN / Updated: Jun 7, 2022, 10:19 IST

471 PTS SHARE AA

BHOPAL: Phase I of Bhopal metro development has moved into a new phase with corporation finalizing order for around two dozen trains along with signaling and other systems. According to sources, MP Metro Rail Corporation limited (MPMRCL) close to 40% phase I has been completed. Target completion date is September 2023.

According to sources, 14 trains will be for under construction 14.99 km Purple Line from Karond Circle to AIIMS while 13 will serve the upcoming Red Line which is a 12.88 km stretch from Bhadbhada Square to Ratnagiri Tiraha. Depot will hold another two of the 27 for which orders have been placed.

Meanwhile, work of 6.225 km viaduct of priority corridor is in progress. The progress of work is 79.00% for the stretch from Stud Farms to Habibganj.

Another work order has been placed for the construction of 8 stations on the priority corridor. The most important focus of the metro is construction of Metro Depot.

MP metro rail corporation limited (MPMRCL) main depot project is planned at Arera Hills. The first phase of the Bhopal metro is planned to be operational by end of September 2023. It includes 2 lines with 28 stations transit system. The main depot will also be the intersection point for Line-2 (Purple Line) which is from Karond Circle – AIIMS and Line-5 (Red Line) which will connnect Bhadbhada Square – Ratnagiri Tiraha.

NAI DUNIYA 06.06.2022
INDORE/BHOPAL

मेट्रो रेल: परिवहन के साथ जल संरक्षण भी

पर्यावरण ● रेलवे ट्रैक से हर साल सीधे भूगर्भ में पहुंचेगा 20 लाख लीटर जल

बदलते इंदौर की तस्वीर

इंदौर में 31.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो ट्रैक को बनाने का काम जारी है। एमआर 10 क्षेत्र में पिलरों का निर्माण पूरा होने के बाद अब सेगमेंट लगाने का काम चल रहा है। सितंबर 2023 तक इन एलिवेटेड ट्रैक के पिलरों पर मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन किया जाएगा। चंद्रगुप्त मौर्य चौराहे से एमआर 10 क्षेत्र के बीच की इस तस्वीर को फोटो जर्नलिस्ट **प्रफुल्ल ठाकरसिया 'आशु'** ने ड्रोन कैमरे की सहायता से लिया है।

विश्वास चतुर्वेदी ● इंदौर/भोपाल

भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल संचालन के साथ ही हर साल 20 लाख लीटर बरसात के पानी की बचत भी की जाएगी। इसके लिए एलिवेटेड ट्रैक के नीचे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। गर्डर पर बारिश का जितना पानी आएगा, वह पाइप के जरिए जमीन में जाएगा।

भोपाल में पहले चरण में एम्स से सुभाष नगर तक प्रायरिटी कॉरिडोर में वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। सात किलोमीटर ट्रैक के साथ इनके बीच बनने वाले आठ स्टेशनों में बरसात के पानी को सीधे भूगर्भ में पहुंचाने के लिए पाइप लाइन डाली जा रही है। मप्र मेट्रो रेल के अधिकारियों ने बताया कि मेट्रो स्टेशनों और डिपो में बनने वाले पिट आयताकार होंगे, जबकि एलिवेटेड रूट के नीचे बनने वाले पिट गोलाकार होंगे।

शौचालय में लगाएंगे सेंसर : मेट्रो रेल के स्टेशनों में बनने वाले शौचालयों व वाश बेसिन में पानी बर्बाद न हो, इसके लिए नलों में सेंसर लगाए जाएंगे। यूरिनल में भी सेंसर लगे होंगे, यहां स्वचालित तंत्र के जरिए नल का पानी नियंत्रित होगा। मेट्रो स्टेशनों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाया जाएगा। सीवेज के पानी को शोधित करके उसे दोबारा प्रयोग किया जा सकेगा। इस पानी का उपयोग धुलाई व पेड़ों की सिंचाई के लिए किया जाएगा। पानी की खपत पर निगरानी रखने के लिए वाटर मीटर लगाए जाएंगे।

> इंदौर और भोपाल मेट्रो में बारिश की हर बूंद को सहेजने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। इससे बारिश में ट्रैक पर जो भी पानी गिरेगा। पाइप के माध्यम से वह पिलर से नीचे आएगा और फिर समीप बने रिचार्ज वेल में पहुंचेगा। इससे आसपास के क्षेत्रों में भूगर्भ जलस्तर बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।
>
> – **छवि भारद्वाज**, एमडी, भोपाल-इंदौर मेट्रो परियोजना